शासकीय महाविद्यालय बरपाली, जिला-कोरबा (छ.ग.)

वाणिज्य संकाय

सत्र - 2019-20

अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के एम.कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा 2020 के पंचम् प्रश्न पत्र में ईंट के उत्पादन प्रबंध पर परियोजना रिपोर्ट तैयार किया गया है।

निर्देशक

डॉ. सी.बी. शर्मा

सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य संकाय)

शा.महाविद्यालय बरपाली

जिला-कोरबा (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

मनीष कुमार बिंझवार

कक्षा-एम.कॉम (चतुर्थ सेम.)

नामांकन नं.- BUC/15/507/080

रोल नं.- 369387

शास.महाविद्यालय, बरपाली

जिला-कोरबा (छ.ग.)

प्रस्तावना

आवश्यकता ही अविष्कार की जननी होती है। इसी उद्देश्य की पूर्ती के लिए सारे विश्व के उच्च प्रशिक्षित लोग नित नये–नये अनुसन्धानों तथा उन्नत तकनीक के विकास के कार्यों पर सतत् रूप से कार्य कर रहे हैं । जिनमें लगातार सफलता मिल रही हैं। यहाँ तक की भारत के वैज्ञानिकों ने अपने अथक प्रयास से चन्द्रमा पर अपना चन्द्रयान तक स्थापित कर चुके हैं। परन्तु आज किसी भी देश का विकास बिना ऊर्जा के कल्पना पूरा नहीं हो सकता इसी प्रयास में लगे वैज्ञानिकों , इंजीनयरों द्वारा नए उपकरणों के स्त्रोतों की खोज की संरचना प्रयासरत् है।

अनुक्रमणिका

अध्याय 1:– प्रस्तावना

1.1 विषय वस्तु का सामान्य परिचय
1.2 अध्ययन उद्देश्य
1.3 अध्ययन महत्व
1.4 अध्ययन प्रविधि
1.5 अवधारणा / परिकल्पना

अध्याय 2:– संस्था/कम्पनी का विवेचन

2.1 छ.ग. का परिचय

2.2 कोरबा का परिचय

2.3 फैक्ट्री/कम्पनी का परिचय

अध्याय 3:– विषय का विवेचन

3.1 उत्पादन प्रबंध का आशय

3.2 उत्पादन प्रबंध का उद्देश्य एवं महत्व

3.3 उत्पादन प्रबंध की एकीकृत क्षेत्र

3.4 उत्पादन प्रबंध का सिद्धांत

अध्याय 4:– विषय संदर्भ मे अध्ययन/विश्लेषण

फैक्ट्री का उचित स्थान

बिजली, पानी सुविधा

कच्ची सामग्री की व्यवस्था

मशीनो की लागत

प्रक्रिया, विश्लेषण, फायदे, ट्रांसपोर्ट करना

अध्याय :–5 सुझाव

उपसंहार

शब्द सूची

संदर्भ।

शासकीय महाविद्यालय बरपाली, जिला - कोरबा (छ.ग.)

वाणिज्य संकाय

SESSION 2019-20

"अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के एम. कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा 2020 के पंचम प्रश्न-पत्र में दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद (जिला - बालोद) के उत्पादन प्रबंध पर परियोजना रिपोर्ट । "

पर्यवेक्षक

श्री मृगेश कुमार यादव

सहायक प्राध्यापक वाणिज्य संकाय

शासकीय महाविद्यालय बरपाली

जिला - कोरबा (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

नाम - पद्मावती

पिता - श्री जगदीश सिंह

रोल नं. - 369388

कक्षा - एम. कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर

नामांकन नं. - BUC/15/507/085

अनुक्रमाणिका

इकाई	विषय विवरण	पेज नं.
1.	शक्कर क्षेत्र चयन का कारण	
1.1	गन्ने की उत्पत्ति	7
1.2	विश्व में गन्ना उत्पत्ति में भारत का स्थान	8
1.3	भारत में चीनी उद्योग का विकास	9-10
1.4	भारतीय गन्ना अनुसन्धान संसथान	11
1.5	गन्ने के उत्पादन का विश्व वितरण	12
1.6	गन्ने का आर्थिक महत्त्व	13-14
2.1	छत्तीसगढ़ एवं कोरबा जिले का परिचय	15
2.2	छत्तीसगढ़ में गन्ने की खेती	16
2.3	गन्ना उत्पादन / गन्ने की खेती	17-33
2.4	छत्तीसगढ़ में स्थापित गन्ना कारखाना	34
3.1	माँ दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद , जिला बालोद का परिचय	35-36
3.2	कारखाने का इतिहास	37-38
3.3	अधिकारी एवं कर्मचारियों की संख्या	39
3.4	गन्ना खरीदी एवं परिवहन	40-42
3.5	उत्पादन प्रक्रिया	43-44
3.6	उत्पादन (चीनी के अलावा अन्य उत्पाद)	45-46
3.7	प्रतिवर्ष टर्नओवर	47-51
4.1	उद्देश्य	52-53

गन्ना की उत्पत्ति

सन् 647 में चीन सम्राट मान्त्सुड ने मगध में भारतीय शर्करा निर्माण की पद्धति सीखने के लिए शिष्ट मण्डल भेजा था | जब अरब सेनाओं ने ईरान को सन् 640 में पराजित करके धर्मान्तरित किया, तब सर्वप्रथम ईरान से शर्करा निर्माण के लिए ले गए | इरान में शर्करा का उत्पादन बहुत प्राचीन काल में भारत से गया था |

भारतवर्ष को गन्ने की मातृभूमि माना जाता है | इक्षु/ईख की सृष्टि महर्षि विश्वामित्र ने की और नवनिर्मित स्वर्ग का यह सर्वप्रथम पौधा माना जाता था | वह स्वर्ग तो अब नहीं है पर महर्षि की अमूल्य देन अब भी मानव का हित साधक बना हुआ है |

शासकीय महाविद्यालय बरपाली, जिला - कोरबा (छ.ग.)

वाणिज्य संकाय

SESSION 2019-20

"अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के एम. कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा 2020 के पंचम प्रश्न-पत्र में सिंडिकेट बैंक कोरबा (छ.ग.) के द्वारा वितरित ऋणों का अध्ययन | "

पर्यवेक्षक

श्री मृगेश कुमार यादव
सहायक प्राध्यापक वाणिज्य संकाय
शासकीय महाविद्यालय बरपाली
जिला - कोरबा (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

नाम - संजय कुमार
पिता - श्री कार्तिक राम बरेठ
रोल नं. - 369391
कक्षा - एम. कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर
नामांकन नं. - BUC/14/507/134
सेमेस्टर - जन- जून 2020

ABSTRACT

बैंक उस वित्तीय संस्था को कहते है जो जनता से धनराशि जमा करने तथा जनता को ऋण देने का काम करता है। लोग अपनी अपनी बचत राशि को सुरक्षा की दृष्टि से अथवा ब्याज कमाने हेतु इन संस्थाओं में जमा करते और आवश्यकतानुसार समय – समय पर निकालते रहते है बैंक इस प्रकार जमा से प्राप्त राशि को व्यापारियों एवं व्यवसायीयों को ऋण देकर ब्याज कमाता है।

आर्थिक आयोजन के वर्तमान युग में कृषि उद्योग एवं व्यापार के विकास के लिए बैंक एवं बैंकिंग व्यवस्था एक अनिवार्य आवश्यकता मानी जाती है।

राशि जमा रखने तथा ऋण प्रदान करने के अतिरिक्त बैंक अन्य काम भी करते है जैसे सुरक्षा के लिए लोगों से आभुषण बहुमूल्य वस्तुएं जमा रखना अपने ग्राहको के लिए चेको का व्यवस्था करना व्यापारिक बिल कटौती करना एजेंसी का काम करना और बहुत से कार्य बैंको द्वारा लोगों के लिए किया जाता है।

बैंक एक बहुउपोगी आवश्यक संस्था है जो लोगों को सुविधा प्रदान करता है।

अनुक्रमणिका

विषय विवरण

1. छत्तीसगढ़ का परिचय
2. कोरबा का परिचय
3. बैंक का परिचय
4. बैंक सेवाएं
5. बैंक के प्रकार
6. बैंक के कार्य
7. बैंक से लाभ
8. बैंक खातो के प्रकार
9. बैंको द्वारा किये जाने वाले चार्जस
10. भारत के प्रसिद्ध बैंको के नाम
11. बैंक का विलय
12. सिंडिकेट बैंक का परिचय
13. सिंडिकेट बैंक का डाटा बेस

शासकीय महाविद्यालय बरपाली जिला- कोरबा (छ.ग.)

सत्र 2019-20

सर्वेक्षण प्रतिवेदन

एम. कॉम (चतुर्थ सेमेस्टर)

वाणिज्य संकाय

अटल बिहारी वाजपयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के एम.कॉम चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा 2020 के पंचम प्रश्न पत्र में राईस मिल उत्पादन प्रबंध पर परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत किया जायेगा।

पर्यवेक्षक :-
श्री मृगेश यादव
सहायक प्राध्यपक
(वाणिज्य संकाय)
शासकीय महाविद्यालय
बरपाली, कोरबा (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता :-
संजू पैकरा
पिता- श्री सिदार सिंह पैकरा
कक्षा- एम.कॉम चतुर्थ सेम.
नामांकन - BUCP/15/507/007

अनुक्रमणिका

इकाई विषय विवरण

1. प्रस्तावना
2. छत्तीसगढ़ का परिचय
3. कोरबा जिले का परिचय
4. छत्तीसगढ़ में धान की खेती
    4.1 धान का परिचय :–
5. राईस मिलिंग की जानकारी
6. कंपनी का परिचय
    6.1 अधिकारी एवं कर्मचारीयों की संख्या
    6.2 धान खरीदी एवं परिवहन
    6.3 राइस मिलिंग प्रक्रिया चार्ट
    6.4 उत्पादन (चावल, भुसी, कनकी, कोढ़ा)
7. प्रतिवर्ष टन ओवर
    7.1 वित्तीय विश्लेषण
    7.2 उदेश्य
8 निष्कर्ष
    8.1 उसंहार

प्रस्तावना

छत्तीसगढ़ राज्य एक कृषि प्रधान राज्य हैं। छत्तीसगढ़ की लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या कृषि एवं कृषि से उद्योग धंधो पर निर्भर करती हैं वर्तमान परिस्थिति के अनुसार छत्तीसगढ़ तथा भारत की कृषि व ग्रामीणों के विकास मे अनेक परिर्वत देखने को मिलते हैं। ये परिर्वत कई कारणों से उत्पन्न हो सकते है वर्तमान जलवायु परिर्वत बढ़ती जनसंख्या वृध्दिदर,विज्ञान व प्रोद्योगिकी के कारण अर्थव्यवस्था में परिर्वतन आदि। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा भि कहा जाता है तथा छत्तीसगढ़ को धान की अधिक उपज के कारण कृषि कर्मण पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका हैं।वर्तमान में छ.ग. की सकल धरेलु उत्पादन में कृषि का हिस्सा लगभग 17.12 प्रतिशत हैं।

शासकीय महाविद्यालय, बरपाली, जिला-कोरबा (छ.ग.)

वाणिज्य संकाय

सत्र: 2019-2020

अटल बिहारी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के

एम कॉम चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र में

प्रस्तुत करने हेतु

इन्डस उद्योग इन्फ्रस्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड जमनीपाली (सोहागपुर) जिला- कोरबा (छ.ग.)

का

वित्तीय प्रबंध विषय पर परियोजना रिपोर्ट

पर्यवेक्षक छात्रा

जयन्ती

पिता- श्री सिरत राम

एक कॉम (चतुर्थ सेम.)

नामांकन नं.- BUAP/15507/075

रोल नंबर 369386

सेमेस्टर- जनवरी-जून 2020

पर्यवेक्षण निर्देशक:-

डॉ सी.बी. शर्मा

(सहायक प्राध्यापक वाणिज्य)

शासकीय महाविद्यालय बरपाली

जिला-कोरबा(छ.ग.)

1.2 स्थापना :–

कम्पनी का नाम	–	इन्डस उद्योग इम्फ्राक्चर प्राईवेट लिमिटेड़ (IUIPL)
स्थापित वर्ष	–	2014
क्षमता	–	प्रतिदिन 2 रेक
भुमि अधिग्रहण	–	40 एकड़
कम्पनी के CEO	–	शैलेन्द्र लाला (कोरबा)
स्थान	–	जमनीपाली, पोस्ट – सोहागपुर, जिला – कोरबा (छ.ग.)

शासकीय महाविद्यालय बरपाली, जिला-कोरबा (छ.ग.)

वाणिज्य संकाय

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग. के एम.कॉम.चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा 2020 के पंचम प्रश्न पत्र में अग्रवाल धर्म कंटा राईस मिल के उत्पादन प्रबंध पर परियोजना रिपोर्ट ।

पर्यवेक्षक :-

कु. खुशबू तिवारी

अतिथि व्याख्याता
शासकीय महाविद्यालय बरपाली
जिला-कोरबा (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता :-

नाम- वर्षा
पिता- हरालाल उरांव
कक्षा- एम.कॉम चतुर्थ सेमेस्टर
नामा.सं.- BUC/12/040
रोल नं.- 369394
सेमेस्टर- जन-जून-2020

ABSTRACT :- धान के बीज को चावल कहते हैं यह धान से उपर का छिलका हटाने से प्राप्त होता है। चावल संपूर्ण पूर्वी जगत में प्रमुख रूप से खाए जाने वाला अनाज है। भारत में भात, खिचड़ी सहित काफी सारे पकवान बनते हैं। चावल का चलन दक्षिण भारत और पूर्वी दक्षिण भारत में, उत्तर भारत से अधिक है, इसे संस्कृत में (तण्डुल) कहा जाता है और तमिल में (अरिसि) कहा जाता है। कभी कभार षड्स भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें सद के छह प्रमुख रस मौजूद हैं। संस्कृतिक हिन्दी में पके हुए चावल को भात कहा जाता है, किन्तु अधिकतर हिन्दी भाषा भात शब्द का प्रयोग कम ही करते हैं चावल की फसल को धान कहते हैं।

बासमती चावल भारत का प्रसिद्ध चावल है, जो विदेशों को निर्यात भी किया जाता है।

शासकीय महाविद्यालय बरपाली, जिला-कोरबा (छ.ग.)

वाणिज्य संकाय

सत्र - 2019-20

अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के एम.कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा 2020 के पंचम् प्रश्न पत्र में ईंट के उत्पादन प्रबंध पर परियोजना रिपोर्ट तैयार किया गया है।

निर्देशक
डॉ. सी.बी. शर्मा
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य संकाय)
शा.महाविद्यालय बरपाली
जिला-कोरबा (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
विरेन्द्र सिंह बिंझवार
कक्षा-एम.कॉम (चतुर्थ सेम.)
नामांकन नं.- BUC/15/507/100
रोल नं.- 369395
शास.महाविद्यालय, बरपाली
जिला-कोरबा (छ.ग.)

फ्लाई एश से ईंट बनाने की प्रक्रिया

फ्लाई एश ब्रिक्स से ईंट बनाने की प्रक्रिया सामान्यतः तीन चरणों में पूरी की जाती है जो इस प्रकार हैः–

1. **मिक्सिंग प्रक्रिया (Mixcing process)=>** सर्वप्रथम इसमें प्रे हॉपर box(pre Hopper box) में रॉ मटेरियल (राख, रेत, सीमेंट) को डाला जाता है और बेल्ड द्वारा मिक्सिंग के लिए पेन मे भेजा जाता है तथा तीनों रॉ मटेरियल Hopper box मे मात्रानुसार पानी मिलाकर इसमें लगभग 5 मिनट तक अच्छी तरह मिलाया जाता है। फ्लैस ब्रिक्स निर्माण की प्रक्रिया में मिक्सिंग करना अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है।

तथा क्यू ग्रीन techan में बनाने वाली मशीन इस बात का विशेष ध्यान रखते हुए पेन mixture को डिजाइन किया जाता है। मिक्सिंग एक समान करने के लिए पेन mixture के भीतर स्किपर एवं रोलर लगे होते है जो पूरी Efficiency के साथ रॉ–मटेरियल को मिक्स किया जाता है।